

---

# Shri Dattaguru Panchakam

श्रीदत्तगुरुपञ्चकम्

## Document Information

---

Text title : Shri Dattaguru Panchakam

File name : dattagurupanchakam.itx

Category : dattatreya, deities\_misc, vAsudevAnanda-sarasvatI, panchaka

Location : doc\_deities\_misc

Author : vAsudevAnandasarasvatI TembesvAmi

Description-comments : From stotrAdisangraha

Latest update : August 28, 2021

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 28, 2021

*sanskritdocuments.org*

---

---

## Shri Dattaguru Panchakam

---

### श्रीदत्तगुरुपञ्चकम्

---



सुनीलमणिभासुरादृतसुरातवार्ता सुरा-  
सुरावितदुराशरावितनरावराशाम्भरा ।

वरादरकरा कराक्षराधरा धरापादराद  
राखपरा परा तनुरिमां स्मराभ्यादरात् ॥ १ ॥

सदादृतपदा पदादृतपदा सदायारदा  
सदानिजदृदास्पदा शुभरदा मुदासम्मदा ।

मदान्तकपदा कदापि तव दासदादिद्रुडा  
वदान्यवरदास्तु मेऽन्तर उदारवीरारिडा ॥ २ ॥

जयाजतनयाभया सद्दुद्या ध्याद्राशया  
शयात्तविजयाजया तव तनुस्तया दृत्स्थया ।

नयादरदया दयाविशदया वियोगोनया  
तयाश्रय न मे दृदास्तु शुभया भया भातया ॥ ३ ॥

शिदात्यय उरुं गुरुं यमृषयोऽपि येरुर्गुरुः  
स्वशान्तिविजितागुरुः समभवत्स पृथ्वीगुरुः ।


अजं भवरुजं दुरन्तमुषिजं नरा अत्रिजं  
भजन्तु तमधोक्षजं सुभनसाऽनसूयात्मजम् ॥ ४ ॥

नमोऽस्तु गुरवे स्वकल्पतरवेऽत्र सर्वोरवे  
रवेरधिरुये शुये मलिनभक्तदृत्कारवे ।


अवेदि तव डिङ्करं शिरसि धेदि मे शङ्करं  
करं तव वरं वरं न य परं वृषो शङ्करम् ॥ ५ ॥

धृति श्रीवासुदेवानन्दसरस्वतीविरचितं श्रीदत्तगुरुपञ्चकं सम्पूर्णम् ।

---

——  
*Shri Dattaguru Panchakam*

pdf was typeset on August 28, 2021

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

